

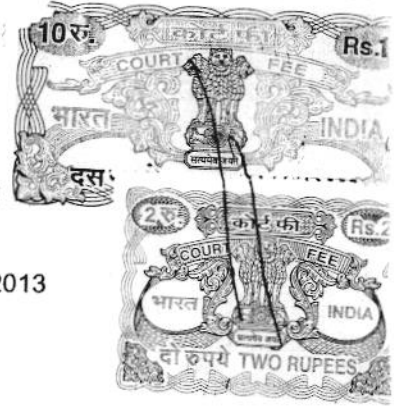
327

न्यायालय श्रीमान् राजस्व मण्डल ग्वालियर मध्यप्रदेश :

निगरानी क्रमांक

R-2127-1113

सन् 2013

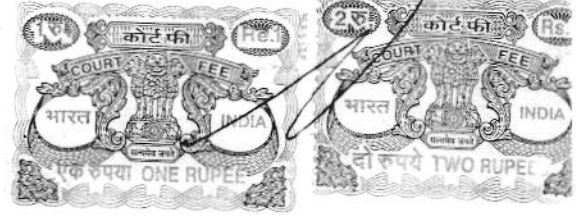


राघवेन्द्र कुमार उदैनियाँ तनय स्व० शारदा प्रसाद
उदैनियाँ निवासी सरानी दरवाजे के बाहर
छतरपुर तह० व जि० छतरपुर म०प्र०।

निगरानीकर्ता

वनाम

1. श्रीप्रकाश पटैरया तनय दुर्गा प्रसाद पटैरया
निवासी गल्लामण्डी छतरपुर जि० छतरपुर म०प्र०।
2. मुन्ना लाल सोनी तनय बैजनाथ सोनी
निवासी पिपरसानियां मुहल्ला छतरपुर तह० व
जिला छतरपुर मध्यप्रदेश।



~~सर्वकार मध्यप्रदेश~~

गैरनिगरानीकर्ता

निगरानी विरुद्ध आदेश न्यायालय श्रीमान्
अनुविभागीय अधिकारी महोदय छतरपुर के
प्रकरण क्र० 50/बी-121/2011-12 में पारित
आदेश दिनांक 29/04/2013 से दुखी होकर।

महोदय

निगरानीकर्ता सादर निम्नानुसार निगरानी माननीय न्यायालय के समक्ष सादर प्रस्तुत करता है।

- (1) यह कि निगरानीकर्ता ने गैरनिगरानीकर्तों के विरुद्ध अनुविभागीय अधिकारी महोदय छतरपुर के न्यायालय में सरस्वती सदन पुस्तकालय पब्लिक ट्रस्ट के ट्रस्टी/सचिव श्रीप्रकाश पटैरया द्वारा लोकनिधि का गवन करने, एवं ट्रस्ट की सम्पत्ति को हानि पहुँचाने की जाँच कर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने व ट्रस्ट भंग करने हेतु प्रस्तुत किया गया था।
- (2) यह कि सरस्वती सदन पुस्तकालय पब्लिक ट्रस्ट का पंजियन माननीय अधीनस्त न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी महोदय छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 41/बी-113/04/09/2005 को किया गया था। जिसके अनुसार एक अध्यक्ष, एवं एक उपाध्यक्ष एक सचिव एवं एक कोषाध्यक्ष होंगे। जिसका चुनाव कार्यकारणी के सदस्यों द्वारा किया जायेगा। तथा धारा -4 के अन्तर्गत अनुविभागीय अधिकारी से अनुमोदन कराया जायेगा। परन्तु आज तक कोई नियुक्तियाँ नहीं हुई, और न ही अनुमोदन किया गया। लेकिन अबैध रूप से अनावेदक श्रीप्रकाश पटैरया द्वारा अधिनियम की धारा 13-14 एवं 27 का उल्लंघन करते हुए करोड़ों रुपयों की हानि जो कि गवन की श्रेणी में आती हैं। जैसे कि लगभग 10 दुकानों का निर्माण एवं आवंटन नियमों को ताक में रखते हुये कमीशन लेकर मनचाहे व्यक्तियों को बिना नीलामी के कर दिया जिसकी अनुमति भी नहीं ली गई एव निर्माण, में नगरपालिका, नजूल से अनुमति नहीं ली गई इस प्रकार पूरी सम्पत्ति का गवन अनावेदक द्वारा किया गया जिसमें माननीय अधीनस्थ न्यायालय से गवन का प्रकरण अनावेदक के विरुद्ध पंजीवद्ध किये जाने की प्रार्थना की गई है।



WS
मुकेशमासि
3-6-13 (59)केट
ग्वालियर

सिद्धा

//2//पर

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक निगरानी-2127-दो/2013

जिला छतरपुर

राघवेन्द्र विरूद्ध ~~संसा~~ श्री प्रकाश

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
21-01-2019	<p>1. प्रकरण प्रस्तुत ।</p> <p>2. आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं । आवेदक के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी छतरपुर के प्रकरण क्रमांक 50/बी-121/2011-12 में पारित आदेश दिनांक 29-04-2013 के विरूद्ध म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अधीन दिनांक 03-06-2013 को पुनरीक्षण याचिका प्रस्तुत की गई थी।</p> <p>3. म.प्र. भू-राजस्व संहिता संशोधन अधिनियम 2018 का क्रियान्वयन राज्य सरकार की अधिसूचना क्रमांक एफ 2-9/2018/सात/शा.6 भोपाल दिनांक 16-08-2018 के अनुक्रम में दिनांक 25-09-2018 से लागू हो गया है । उक्त अधिसूचना की धारा 54 के अनुसार -</p> <p>“1. संशोधन अधिनियम 2018 के प्रवृत्त होने के ठीक पूर्व पुनरीक्षण में लंबित कार्यवाहियां यथासंशोधित अधिनियम 2018 की धारा 50(1)(ग) एवं 54(क) के अधीन उन्हें सुने जाने तथा विनिश्चित किये जाने के लिये सक्षम राजस्व अधिकारी द्वारा सुनी जायेगी तथा विनिश्चित की जायेगी, और यदि इस प्रयोजन के लिये अपेक्षित हो तो ऐसे राजस्व अधिकारी को अंतरित की जायेगी।”</p> <p>4. अनुविभागीय अधिकारी के द्वारा पारित आदेश के विरूद्ध म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 50(1)(ग) एवं 54(क) के अंतर्गत पुनरीक्षण हेतु सक्षम राजस्व अधिकारी संबंधित जिला कलेक्टर है । अतः उक्त संशोधन के फलस्वरूप इस न्यायालय में प्रस्तुत पुनरीक्षण आवेदन पर कलेक्टर छतरपुर के द्वारा ही पुनरीक्षण याचिका का निराकरण किया जाना होगा ।</p> <p>5. अतः उक्त नवीन संशोधन के अनुक्रम में पुनरीक्षण याचिका</p>	

hgn
21-01-19

21

के निराकरण हेतु प्रकरण कलेक्टर छतरपुर को अंतरित किया जाता है। आवेदक दिनांक 18-03-2019 को इस आदेश की सत्यप्रतिलिपि लेकर कलेक्टर छतरपुर के न्यायालय में प्रस्तुत हो।

6. कार्यालय का दायित्व होगा कि उक्त दिनांक से पूर्व संबंधित अभिलेख कलेक्टर छतरपुर के न्यायालय में भेज जाये।

7. उभय पक्ष अभिभाषक को नोट कराया जाये।

kyri
(अर. के. जेनु)
सदस्य 21.01.19